अध्याय
06
3 वर्ग

सीखने का प्रतिफल

इस अध्याय में विद्यार्थी मध्यकाल में यूरोप में सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति में होने वाले परिवर्तन के बारे में जान सकेंगे।

मध्य काल के प्रारंभ में विश्व में अनेक सामाजिक एवं धार्मिक परिवर्तन हुए ।जिसमें एक महत्वपूर्ण था भूमि पर आधारित सामंतवाद का उदय। जो कृषि उत्पादन की ओर संकेत करता है तथ कृषक एवं जमींदार के संबंध को दर्शाता है । यद्यपि सामंतवाद की नीव रोमन साम्राज्य मे था। तथापि फ्रांस के राजा शार्लमैन ने 742 से 814 ईसासे इसका विकास तेजी से हुआ। और 11वीं सदी तक लगभग पूरे यूरोप में फैल गया ।

इस व्यवस्था ने यूरोप के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं न्यायिक प्रक्रिया में काफी बदलाव लाया अब समाज स्पष्ट रूप से 3 वर्गों में विभक्त हो गया। उनके कार्य भी निर्धारित किए गए। और समाज पूर्णतःधर्म केंद्र समाज बन गए ।

1. पादरी वर्ग ।
2. अभिजात वर्ग ।
3. कृषक वर्ग ।
4. स्वतंत्र किसान ।
5. कृषक दास ।
6. सामाजिक संरचना

स्मरणीय तथ्य-

पादरी वर्ग धर्म प्रमुख होने के नाते प्रथम वर्ग में थे।

सर्वोच्च न्यायालय उसी के पास था। पादरी वर्ग में पोप सबसे ऊपर था इसके बाद विषप एवं पादरी। वे लोग रविवार के दिन नागरिकों को धार्मिक ज्ञान देते थे। विशप लोगों की कार्यशैली जमींदारों की तरह होने लगा और वह विलासिता जीवन की ओर बढ़ते गए। धार्मिक क्षेत्र में एक नए वर्ग भिक्षु का उदय हुआ जो मठ में रहते थे। पुरुष एवं स्त्रियों दोनों भिक्षु जीवन अपना सकते थे। लेकिन उन्हें विवाह की अनुमति नहीं थी। आगे 14वीं शताब्दी के लगभग भिक्षुओं का जीवन भी विलासिता पूर्ण हो गया जिसका वर्णन लैंग्लैंड की कविता पीयर्स पलाउ मैन एवं जेफ्री चौसर ने अपनी पुस्तक कैटबरी टेल्स में लिखी है ।

1. आर्थिक संरचना ।
2. पोप एवं पादरी मठों एवं बड़े बड़े भूखंडों के स्वामी ।

© JCERT not to be republished

3. राजा एवं शासक वर्ग बड़े भूखंडों के स्वामी ।

4. स्वतंत्र एवं दास कृषक वर्ग शोषित वर्ग ।

अभिजात वर्ग-

इस वर्ग में राजा एवं बड़े-बड़े सामंत शामिल थे। इसको अपनी संपत्ति संपत्ति पर पूर्ण अधिकार प्राप्त था। इसके पास सैना एवं न्यायिक सकती थी। यह मुद्रा चलाने की शक्ति रखते थे यह बड़े-बड़े मेनर में रहते थे ।इसमें एक वर्ग नाइट का उदय हुआ जो राजा को सैन्य सेवा प्रदान करते थे।

किसानवर्ग -

संगठन के दृष्टिकोण से आबादी का लगभग 95% थे जो किसी मठऔर अभिजात वर्ग के अधीन थे।

स्वतंत्र किसान—

स्वतंत्र किसान लॉर्ड के काश्तकार माने जाते थे। पुरुष लोगों को वर्ष में कम से कम 40 दिन सैनिक सेवा देना अनिवार्य था। किसानों को लार्ड के जमीन एवं मठों के जमीन पर तीन से चार दिन का बेकार देना पड़ता था। इसके अतिरिक्त गड्ढा खोदना, सड़कों का मरम्मत, इमारत बनाना,जलावन के लिए लकड़ी को जुटाना इत्यादि कार्य मुफ्त में करतेथे।स्त्रियां एवं बच्चे को भी लॉर्ड के घर में काम करना पड़ता था। मोमबत्ती बनाना, कपड़ा बुनना, मदिरा तैयार करना तथा अन्य घरेलू कार्यों में शामिल थे। इसके अतिरिक्त राजा को टेली नाम का प्रत्यक्ष कर देना पड़ता था। मठों को भी तीथ नामक कर देना होता था जो उपज का 10% भाग था।

कृषक दास-

यह कृषक किसी न किसी लॉर्ड के स्वामित्व में थे। लॉर्ड ही इसका सब कुछ होता था। यह वर्ग लॉर्ड के जमीन पर खेती करते, चक्की में आटा पीसते, तंदूर से रोटी बनाते, मदिरा तैयार करते एवं हमेशा लॉर्ड को सेवा देने के लिए तत्पर रहते थे। दास किसानों को लॉर्ड की अनुमति के बिना जागीर नहीं छोड़ सकते थे। लार्ड के अनुमति के बिना दास किसान विवाह भी नहीं कर सकते थे। अपनी पसंद के विवाह के लिए लॉर्ड को कर का भुगतान करना होता था।

1. प्रमुख किसान विद्रोह।

2. 1323ईस्वी में फलैंडरस में किसान विद्रोह।

3. 1358 ईस्वी में फ्रांस में किसान विद्रोह ।

4. 1381 इसवी में इंग्लैंड मैं किसान विद्रोह।

वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी का विकास'-

लकड़ी के जगह लोहे के हल का प्रयोग। फसल चक्र को प्रभावी तरीके से लागू करना। भूमि को तीन टुकड़ों में विभक्त कर मौसम के अनुरूप खेती करना। पशुओं को हल से जोड़ने के तकनीक में परिवर्तन । जल शक्ति एवं वायु शक्ति आधारित कृषि यंत्रों का अविष्कार एवं उपयोग

उद्योगों का विकास एवं नए वर्गों का उदय

कृषि तकनीक से उत्पादन दोगुना होने लगा। मुद्रा का प्रयोग, व्यापार का उदय, यातायात के क्षेत्र में सुधार हुए, व्यापारिक मंडियों का विकास हुआ जो शहरों के रूप में परिवर्तित हुए। उद्योग वस्तुओं का उत्पादन होने लगा तथा बड़े लॉर्ड के मकान के आसपास एवं मठों के आसपास नए नए शहरों का विकास होने लगा।

© JCERT not to be republished

सामाजिक एवं आर्थिक ढांचा में परिवर्तन

नये वर्ग शहरी समुदाय का उदय, जनसंख्या में वृद्धि चर्च एवं बड़े-बड़े दुर्ग, चौराहे इत्यादि जगहौ पर व्यापारिक केंद्रों का उदय, नगरों का स्वतंत्र बताबरण, कृषकोकी दशा में परिवर्तन, व्यापारिक वर्गों का उदय एवं आर्थिक संस्था श्रेणी का विकास, अनुष्ठान समारोह और नागरिक जुलूस में संगीतकारों को कला प्रदर्शन का मौका मिला। दास व्यापार से व्यापारी अधिक धनी और शक्तिशाली बन गए। भवन निर्माण में नई-नई तकनीकों का उपयोग होने लगा। धार्मिक विचारों को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया।

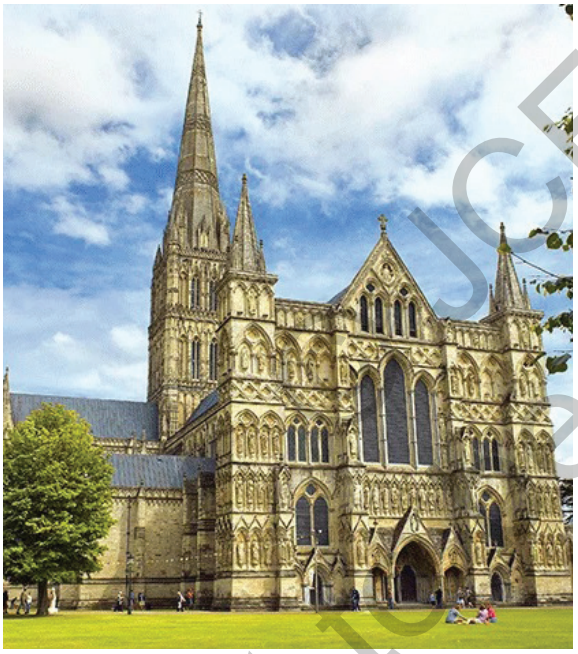

कैथेड्रल का चित्र

1. महत्वपूर्ण निरंकुश शासक।
2. फ्रांस का शासक लुई 11वा।
3. इंग्लैंड का हेंनरी सप्तम।
4. ऑस्ट्रेलिया का मैक्स मिलन।
5. स्पेन का इसाबेला और फर्डिनेंड।

स्मरणीय तथ्य-

सामंत वर्ग -संपत्ति का मालिक, निजी सेना, अपने क्षेत्र का मालिक, मुद्रा संचालन की शक्ति, न्याय की शक्ति इत्यादि।

13वीं शताब्दी में एक वर्ग फायर ने मठों मे न रहने का फैसला किया था ।यूरोप में 22 स्लेज नामक प्रथा जो भूमि अतिक्रमण से संबंधित था अभिजात वर्ग को जन्म दिया । रोटी देने वाला एवं दसों के रक्षक थे। सामंतवाद पर सर्वप्रथम कार्यक्रम फ्रांसीसी विद्वान मार्ग ब्लॉक ने भूगोल पर अधारित मानव इतिहास को लिखने का प्रयास किया ।मठो ने समाज को स्कूल कॉलेज, अस्पताल, इमारत, कला इत्यादि क्षेत्रों के विकास में योगदान दिया। भिक्षुओं के रहने का स्थान को आवे कहा जाता है। पुरुष भिक्षु मोंक एवं स्त्री भिक्षु नन कहलाती थी। 529 ईसवी में इटली में स्थापित सैंट बेनेडिक्ट एवं 910 ईसवी में ब्रांडी में स्थापित कोलोनी मठ प्रमुख थे।

1. 14वी शताब्दी के संकट।
2. मौसम परिवर्तन तीव्र ठंढी।
3. महामारी, प्लेग, आबादी का 20% कमी ।
4. घोर आर्थिक संकट उत्पन्न हुआ।
5. खाद्यान्न की समस्या

प्रश्नोत्तरी
बहु विकल्प प्रश्न

1. भिक्षुओं के रहने का स्थान को किस नाम से जानते हैं?

(क) मठ (ख) आवे

(ग) नन (घ) पादरी

© JCERT not to be republished

2. अभिजात वर्ग का उदय यूरोप में किस प्रचलित प्रथा के माध्यम से हुआ था?

(क) जागीर (ख) टीथ

(ग) मेनर (घ) कोई नहीं

3. राजा द्वारा किसानों पर लगाए जाने वाले प्रत्यक्ष कर किस नाम से जाने जाते है?

(क) टैली (ख) टीथ

(ग) कर (घ) मठ

4. ओवैस .हिल्डेगार्ड ने चर्च में किस प्रथा का समावेश किया?

(क) संगीत (ख) चित्र

(ग) मठ (घ) सामूहिक प्रार्थना

5. पादरी द्वारा किसानों पर लगाए जाने वाले धार्मिक कर किस नाम से जाने जाते हैं?

(क) टैली (ख) टीथ

(ग) मठ (घ) कर

लघु उत्तरीय प्रश्न-

1. मेनर व्यवस्था क्या है?

2. यूरोप में दासो की दशा का वर्णन कीजिए?

3. नाइट के कार्यों का वर्णन कीजिए?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. मध्यकाल में तकनीकी विकास ने किस प्रकार समाज व्यवस्था को प्रभावित किया?

2. यूरोप में कृषि तकनीक में हुए परिवर्तन कृषि उत्पादन को किस प्रकार प्रभावित किया?

© JCERT not to be republished